NALANDA OPEN UNIVERSITY

Assignment Questions
[for Old Batch Students]

BACHELOR OF EDUCATION (B.ED.), PART-II

सत्रीय कार्य जमा करने की विधि

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए, निर्धारित प्रोग्राम्स में, सत्रीय कार्य जमा करना आवश्यक है । इसके लिये प्रत्येक पत्र में सम्बन्धित विद्यार्थी को तीन प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न 12½–12½ अंकों के)** दिये गये हैं, जिनमें से दो प्रश्नों **(कुल 25 अंक)** का उत्तर अपने हस्तलिपि में विश्वविद्यालय द्वारा दी हुई सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका में लिखना है । विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे प्रत्येक पत्र के लिये दिये गये, निर्देश के अनुसार, स्वअध्ययन, स्वविवेक और अपनी प्रतिभा के अनुसार दो प्रश्नों का उत्तर अपने हस्तलिपि में लिखें । यह कार्य उन्हें अपने घर में रहकर करना है । किसी भी पुस्तक या नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी पाठ्यसामग्री से **नकल करने पर उनकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा । साथ ही, नियमानुसार, विश्वविद्यालय उनके विरूद्ध अलग से भी सख्त कार्यवाही कर सकेगा ।** विद्यार्थियों से अनुरोध है कि सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका तथा उसके लिफाफा पर वे अपना नाम, अनुक्रमांक तथा पत्र संख्या अवश्य लिखें । नामाकंन संख्या (अनुक्रमांक) गलत होने पर सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा । प्रत्येक पत्र के सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिफाफों में डालकर सील कर दें और सील बन्द लिफाफा को वे सम्बन्धित पत्र की लिखित परीक्षा के दिन अपने साथ परीक्षा केन्द्र पर लेते आयें, अर्थात, जिस दिन प्रथम पत्र की लिखित परीक्षा हो, उस दिन वे प्रथम पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का सील्ड लिफाफा अपने साथ परीक्षा हॉल में ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें । इसी प्रकार, जिस दिन द्वितीय पत्र की लिखित परीक्षा हो, उसी दिन द्वितीय पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका का सील्ड लिफाफा ले आयें । तदनुसार, अन्य पत्रों की लिखित परीक्षा के दिन, उन पत्रों से सम्बन्धित सील्ड लिफाफा अपने साथ ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें । प्रत्येक दिन परीक्षा से सम्बन्धित वीक्षकगण आपके सीट से आपका सील्ड लिफाफा संग्रह कर लेंगे और उपस्थित पंजी पर आपका हस्ताक्षर ले लेंगे, जो इस बात का प्रमाण होगा कि आपने पत्र के लिए अपना सत्रीय कार्य जमा कर दिया है । सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका को किसी भी हालात में डाक अथवा कुरियर से नहीं भेजें क्योंकि विश्वविद्यालय इसको स्वीकार नहीं करेगा । किसी भी पत्र में Theory Paper की परीक्षा समाप्त हो जाने के बाद, उस पत्र से सम्बन्धित सत्रीय–कार्य पुस्तिका स्वीकार नहीं की जायेगी ।

Methods of Submission of Assignment

Each student shall be required to submit two assignments of 25 marks in each theory paper of all programmes where no practical/project work is prescribed. For this purpose, the University administration will set out and provide to each student three different topics in each theory paper; out of which he/she will be required to write out and submit assignment work only on two topics of his her choice in the answer book provided to him/her for this purpose by the University. Both the assignments, each carrying equal marks, shall be evaluated for the purpose of examination. It is again emphasized that writing of two assignment in each theory paper, where no practical/project work is prescribed, is compulsory and unless it is done and assignment copy submitted to the University on the date of the examination of the theory portion of the concerned paper, the study requirement of the student will not be taken to have been completed and he/she will be declared to have failed. Besides, it has, now, been decided by the University to club the marks obtained by a student in his/her assignment work/project work with the marks obtained by him/her in the written examination of that paper to determine his/her pass percentage in the concerned paper. Hence, it is in student's interest that he/she submits the assignment work in time. Students are also advised to prepare their assignments very carefully and meticulously. They must write assignment in their own handwriting. Assignment answers should not be copied from the learning material supplied by the University or from any other source. Assignments must be submitted in the answer books provided to the students by the University for this purpose. In no case, assignment written assignment written in private copy will be accepted by the University. In case of loss of assignment copy, fresh assignment copy may be procured from the University on payment of Rs. 100.00 by bank draft. Similarly, Project-Work, wherever prescribed, must also be submitted by the fixed date, failing which the student will be deemed to have failed in the concerned subject.

B.Ed., Part-II के अन्तर्गत सभी विद्यार्थियों को **Paper-VII** के लिए एक एवं **Paper-VIII** के लिए एक **Content Based Methodology** विषय का चुनाव करना है । सत्रीय कार्य के लिए दिये गये प्रश्नावली में सभी **Content Based Methodology** विषयों के प्रश्न दिये गये हैं । आप इनमें से सिर्फ दो ही विषयों का चुनाव करें और तदनुसार उत्तर दें । ठीक इसी तरह **Paper-IX** के लिए दिये गये विभिन्न विषयों में से किसी एक विषय का चुनाव करते हुये उत्तर देना है ।

ASSIGNMENT QUESTIONS

Paper-VII or VIII (Content Based Methodology)

(Teaching of Hindi)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. मातृभाषा की अवधारणा स्पष्ट करके हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य बताइए ।
2. निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण में परस्पर सम्बन्ध बताइए । उनकी प्रक्रिया का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।
3. मूल्यांकन का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्त्व पर प्रकाश डालते हुये परीक्षणोत्तर मूल्यांकन युक्तियों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए ।

(Teaching of English)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. Discuss the different methods of teaching English and the role of the teacher in each method.
2. Discuss the role of a teacher in organizing oral skill lesson.
3. Differentiate between discrete and integrated items for testing grammatical competence of learners. Give examples.

(Teaching of Social Studies)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. Explain the meaning of group directed instructional inputs. Discuss briefly group directed instructional techniques used in teaching of social studies with examples.
   समूह निर्देशित अनुदेशन निवेश के अर्थ की व्याख्या कीजिए । सामाजिक अध्ययन के अध्यापन में उपयोग होने वाली समूह निर्देशित अनुदेशन तकनीकों की उदाहरण सहित संक्षेप में चर्चा कीजिए ।
2. Describe various types of instructional media and its role in social studies.
   सामाजिक अध्ययन में विभिन्न प्रकार के अनुदेशन मीडिया और उनकी भूमिका की परिचर्चा कीजिए ।
3. Differentiate between evaluation of cognitive and non-cognitive outcomes in Social Studies. Discuss briefly the major tools used for evaluating these outcomes.
   सामाजिक अध्ययन के क्षेत्र में संज्ञानात्मक तथा गैर–संज्ञानात्मक अधिगम निष्पत्तियों के मूल्यांकन का भेद स्पष्ट कीजिए । इन निष्पत्तियों के मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त मुख्य उपकरणों की संक्षिप्त विवेचना कीजिए ।

(Teaching of Science)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. Discuss the nature of science as a process and product with suitable examples.
   विज्ञान की प्रकृति की परिचर्चा एक प्रक्रिया तथा एक उत्पाद के रूप में उचित उदाहरण सहित कीजिए ।
2. Discuss the various approaches to lesson planning and distinguish between Herbartian approach and Evaluation approach of lesson planning.
   पाठ योजन के विभिन्न उपागमों की विवेचना कीजिए एवं हर्बारीय उपागम तथा मूल्यांकन उपागम में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
3. What are the principles of constructing curriculum of science for secondary classes ? Critically examine the present curriculum and give your suggestions for improvement.
   सेकेण्डरी कक्षाओं हेतु विज्ञान पाठ्यक्रम रचना के क्या सिद्धान्त हैं ? वर्तमान पाठ्यक्रम की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए एवं सुधार हेतु अपने सुझाव दीजिए ।

(Teaching of Mathematics)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. What is meant by 'Mathematics' ? Explain the nature of mathematics with suitable examples.
   गणित का क्या तात्पर्य है ? उचित उदाहरणों की सहायता से गणित की प्रकृति समझाइए ।
2. Discuss the nature and importance of Heuristic or Discovery method of teaching mathematics.
   गणित शिक्षण में स्वतः शोध प्रणाली अथवा खोज प्रणाली की प्रकृति एवं महत्त्व की परिचर्चा कीजिए ।
3. Discuss laboratory approach to teaching of mathematics. Illustrate with an example.
   गणित के शिक्षण की प्रयोगशाला विधा की विवेचना कीजिए । एक उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए ।

Paper-IX (Special Optional Paper)

(Guidance and Counselling)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. Explain the term Counselling . Discuss its relationship with various fields with the help of examples.
   उपबोधन शब्द की व्याख्या कीजिए । उदाहरणों की सहायता से विभिन्न क्षेत्रों से इसके सम्बन्ध की चर्चा कीजिए ।
2. Discuss and delineate the roles of Counsellors, Career master and Teachers in the process of guidance programme.
   निर्देशन कार्यक्रम की प्रक्रिया में उपबोधकों, वृत्तिक उपबोधकों और अध्यापकों की भूमिका का विवेचन और निरूपण प्रस्तुत कीजिए ।
3. Explain the term of occupational information and mention the various sources and objectives to obtain occupational information.
   व्यावसायिक सूचना शब्द को स्पष्ट कीजिए तथा व्यावसायिक सूचनाएँ एकत्रित करने के विभिन्न स्रोतों एवं उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए ।

(Educational Technology)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. Which media are included in visual projected (still) media ? Discuss the strengths and weaknesses of any two of them.
   दृश्य प्रक्षेपित (स्थिर) माध्यम में किन मीडिया को रखा जाता है ? इनमें से किन्हीं दो की ताकतों एवं कमजोरियों की चर्चा कीजिए ।
2. What are the advantages of using emerging technologies in teaching-learning process ? Discuss, how computer based technologies can be used for educational purposes.
   उभरती तकनीकों के उपयोग का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में क्या लाभ है ? परिचर्चा कीजए कि कम्प्यूटर आधारित तकनीक का शैक्षिक कार्यों में किस प्रकार उपयोग हो सकता है ?
3. What are the major components of an instructional environment ? Which factors need to be considered in selecting media for instructional purpose ?
   अनुदेशन पर्यावरण के प्रमुख तत्त्व क्या हैं ? अनुदेशन कार्य हेतु एक मीडिया के चयन हेतु किन कारकों को ध्यान रखने की आवश्यकता होती है ?

(Computer in Education)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न **12½–12½** अंकों के हैं ।)

1. Discuss the issues related to media selection in CBI design and development.
   सी०बी०आई० डिजाइन एवं निर्माण में मीडिया के चुनाव के मापदण्डों से सम्बन्धित कारकों की परिचर्चा कीजिए ।
2. Discuss the role of teacher in Advanced Organizer Model, Inquiry Training Model and Mastery Learning Model.
   एडवान्स ऑर्गनाइजर प्रतिमान, अन्वेषण प्रशिक्षण प्रतिमान तथा नैपुण्य अधिगम प्रतिमान में अध्यापक की भूमिका की विवेचना कीजिए ।
3. Discuss the process of development schedule along with various steps required in creating documentation. Illustrate your answer with suitable example.
   विकास अनुसूची की प्रक्रिया की चर्चा प्रलेखन निर्माण में अपेक्षित विविध चरणों सहित कीजिए । उचित उदाहरण से अपना उत्तर स्पष्ट कीजिए ।

Paper-X

(Practical Work)

Paper-XI

(Practical Work)

Paper-XII

(Practical Work)